मैं हु मैया का सरवेंट

मैं हु मैया का सरवेंट
करता हु मैं माँ की नोकरी करता परमानेंट,
ना चाहू मैं रुपिया पैसा न ही डॉलर सेंट
मैं हु मैया का सरवेंट

ना ही कोई कंडीशन है न ही कोई एगरीमेंट
मैं हु मैया का सरवेंट

दुनिया की मोह माया छोड़ी माँ की शरण में आया,
वेतन मिल गया पूरा जब मैं माँ का दर्शन पाया
मैं हु मैया का सरवेंट

मैं हु मैया का सरवेंट
सदा मांगता मैया से मैं जब भी हो अर्जेंट
मैं हु मैया का सरवेंट

जब से माँ की मिली नोकरी कभी न घाटा पाया
चाहू जिनती मिले सेलैरी सदा ही नाफा आया
मैं हु मैया का सरवेंट

मैं हु मैया का सरवेंट
मैया जी की चरण चाकरी बड़ी है एक्सीलेंट
मैं हु मैया का सरवेंट

केशव शर्मा की भी अर्जी जल्दी पास कराओ
केहता कुर्मी अमन मुझे भी चरणों में बिठाओ
मैं हु मैया का सरवेंट

करता सर्विस परमानेंट माँ को जपता मैं अर्जेंट
माँ है सब से इम्पोर्टेन्ट केशव किया है एग्रीमेंट
मैंने किया है एगरीमेंट

https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/19103/title/main-hu-maiya-ka-servent

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |